

M.S.B Board

कक्षा : 10

हिंदी - 2019

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

निर्देश

1. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य :

24 अंक

प्रश्न 1.

अ निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ-नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़-झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ-बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक-डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था- "यह गाय क्या आप लोगों की है?" रमजानी ने कहा, "हाँ।"

काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।"

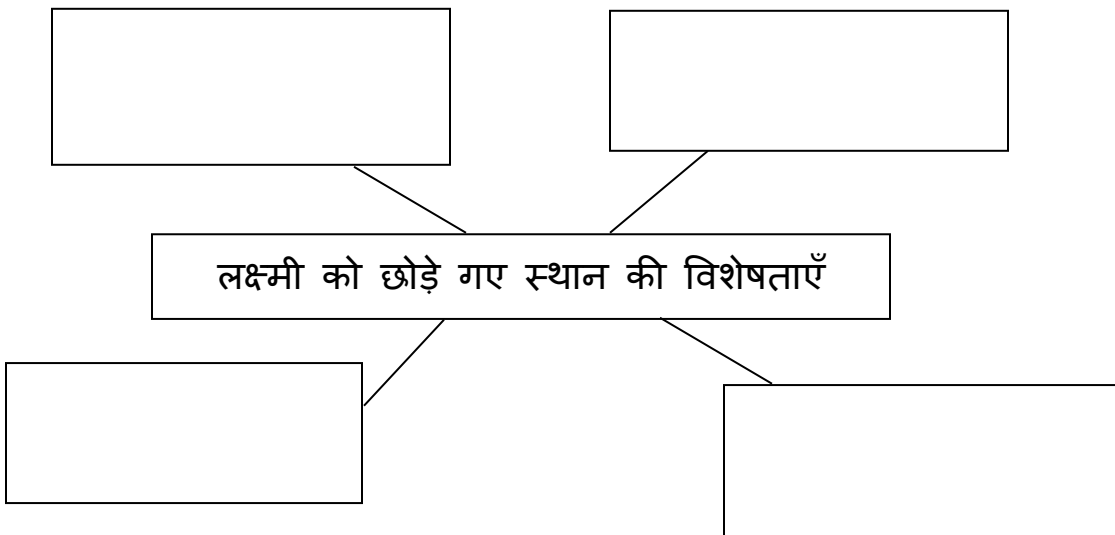
रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली झूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली - "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.....? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए:

[2]



(2) केवल एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए:

[2]

- (i) करामत अली इस समय झूटी से लौटा
- (ii) दूसरों की गाय का चारा खानेवाली
- (iii) रमजानी इसकी बातें सुनती रही
- (iv) लक्ष्मी को देखकर आश्चर्यचकित होनेवाले

(3) (क) वचन परिवर्तन कीजिए: [1]

1. इलाके
2. रस्सी

(ख) लिंग परिवर्तन कीजिए: [1]

1. बेटा
2. गाय

(4) 'जानवरों के प्रति हमदर्दी' विषय पर अपने विचार लिखिए। [2]

आ निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

गाड़ी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा। बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया।

संतरी को हिदायत दी। यह सैलूट-वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर। वह खट-पट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाज हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा।

संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे के अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा - "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं?"

बोली - "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया।"

(1) उत्तर लिखिए: [2]

लेखक द्वारा संतरी को दी गई दो सूचनाएँ:

(2) लिखिए : [2]

(i) शान की सवारी याद आने का परिणाम

(ii) बातचीत में समय बिताने का परिणाम

(3)(क) गद्यांश से ऐसे दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन रूप नहीं बदलता: [1]

(ख) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए: [1]

(4) 'दादा-दादी के प्रति मेरा कर्तव्य' विषय पर अपने विचार लिखिए: [2]

इ निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

संस्कृति ऐसी चीज नहीं कि जिसकी रचना दस-बीस या सौ-पचास वर्षों में की जा सकती हो। अनेक शताब्दियों तक एक समाज के लोग जिस तरह खाते-पीते, रहते-सहते, पढ़ते-लिखते, सोचते-समझते और राज-काज चलाते अथवा धर्म-कर्म करते हैं उन सभी कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है। यहाँ तक कि हमारे उठने-बैठने, पहनने-ओढ़ने, घूमने-फिरते और रोज़-हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है। हमारा कोई भी काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता। असल में संस्कृति जिंदगी का एक तरीका है और यह तरीका सदियों से जमा होकर उस समाज में छाया रहता है, जिसमें हम जन्म लेते हैं। इसलिए

जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है।

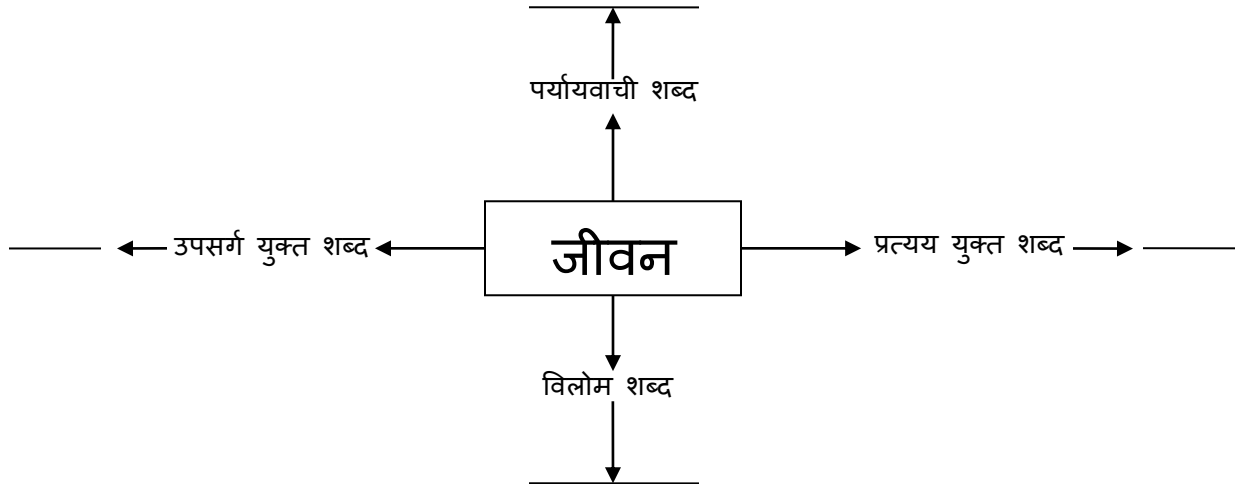
(1) घटक लिखिए [2]

संस्कृति की पहचान करानेवाले घटक

(2) विधानों को पढ़कर केवल सही अथवा गलत लिखिए: [2]

- (i) समाज के लोगों के कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है
- (ii) हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक नहीं होती
- (iii) जिस संस्कृति में हम पैदा हुए हैं उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है
- (iv) संस्कृति जिंदगी का तरीका नहीं है

(3) दी गई सूचना के अनुसार लिखिए: [2]



(4) 'पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव' अपने विचार लिखिए। [2]

प्रश्न 2.

(अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो।
चल पड़ी तो गर्द बनकर आसमानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।
सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।
जिंदगी की शकल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

[2]

अ	उत्तर	आ
(i) शिखर		गर्द
(ii) आसमान		जिंदगी
(iii) पत्थर		स्वर्णिम
(iv) शकल		मील
		नींव

(2) उत्तर लिखिए :

[2]

(क) मनुष्य को ये बनकर दिखाना है

(ख) कवि दिखने के लिए कहते हैं

(3) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

[2]

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :

भारत महिमा अथवा समता की ओर

मुद्दे :

1. रचनाकार का नाम [1]
2. रचना की विधा [1]
3. पसंद की पंक्तियाँ [1]
4. पंक्तियाँ पसंद होने का कारण [1]
5. रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा। [2]

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

नदी निकलती है पर्वत से, मैदानों में बहती है।
और अंत में मिल सागर से, एक कहानी कहती है।
बचपन में छोटी थी पर मैं, बड़े वेग से बहती है।
आँधी-तूफ़ाँ, बाढ़-बवंडर, सब कुछ हँसकर सहती थी।
मैदानों में आकर मैंने, सेवा का संकल्प लिया।
और बना जैसे भी मुझसे, मानव का उपकार किया।
अंत समय में बचा शेष जो, सागर को उपहार दिया
सब कुछ अर्पित करके अपने, जीवन को साकार किया।

1. कृति पूर्ण कीजिए : [2]
पद्यांश में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक
2. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों : [2]
 1. सागर
 2. छोटी

3. प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। [2]

विभाग - 3 - पूरक पठन

8

प्रश्न 3.

(अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था।

चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था। वह उसी का उत्सव था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रहीं थी और रूपा मेहमानों के लिए भोजन कर प्रबंध में व्यस्त थी। भट्टियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पुड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

1. उत्तर लिखिए : [2]

मुखराम के तिलक उत्सव की तैयारियाँ :

2. 'उत्सवों का बदलता स्वरूप' अपने विचार लिखिए। [2]

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

सितारे छिपे

बादलों की ओट में

~
तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर।
सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही।

(1) तालिका पूर्ण कीजिए : [2]

	स्थिति	निवास स्थान
मछली		
सितारे		

(2) 'रात में सितारे आकाश की शोभा बढ़ाते हैं' अपने विचार लिखिए। [2]

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

18 अंक

प्रश्न 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1)(क) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए: [1]

उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए।

(ग) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग आपने वाक्य में कीजिए: [1]

‘आलिशान’

(2)(ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: [1]

रतन, धीरे-धीरे चल।

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

की ओर

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: [2]

(i) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल गया था। (सामान्य वर्तमानकाल)

(ii) वह मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। (पूर्ण भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए: [2]

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निष्कपट		
सद्भावना		

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद लिखिए: [1]

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते।

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: [1]

क्या! उस गली में पेड़ भी हैं। (निषेधार्थक वाक्य)

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

शेखी बघारना

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: [1]

(मुँह लटकाना, मुँह लगना)

खेल में चयन न होने के कारण अमर निराश होकर बैठ गया।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: [2]

(i) उन्नोंने पुस्तक लौटा दिया।

(ii) हमारी सामाजिक विचारधारा से बड़ी भारी दोष है।

(8) निम्नलिखित वाक्य से सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: [1]

(i) एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी।

(ii) मैं आपके बारे में ही सोचता रहा।

(9) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए: [1]

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
सूखना		

(10) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: [1]

चाची अपने कमरे से निकल रही थी।

(11) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: [1]

घूम फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे

विभाग 5 - रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

32

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 5. (अ)

1. पत्रलेखन: [5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलब्ध में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

अथवा

अर्चित/अर्चिता भोसले, 54, शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, आयुक्त, महानगर परिषद, नाशिक को पत्र लिखता है/लिखती है।

2. गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति:

[5]

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाज सेवा की एक पुरानी परंपरा है। सादा जीवन, उच्च विचार और कठिन परिश्रम। इस परंपरा में अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ विकसित हुई हैं। उनमें से कुछ संस्थाएँ पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को काफी पढ़े-लिखे लोगों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों का सामयिक सहयोग मिलता रहता है। अभाग्यवश अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ दलगत राजनीति में अधिक विश्वास करती हैं और उनके आधार पर सरकारी सहायता लेने का प्रयास करती हैं। पर्वतीय क्षेत्र में सादगी की अभी यही व्यवस्था चलती है और इसलिए 'चिपको' आंदोलन बहुत हद तक सफल हुआ है। 'गाँधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। सरला बहन ने अल्मोड़ा में इस काम की शुरुआत तब की थी जब पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता नहीं थी। श्री प्रेमभाई और डॉ. रागिनी प्रेम ने मिर्जापुर में पर्यावरण पर प्रशंसनीय काम किया है।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन:

[5]

आदर्श प्रशाला, अमरावती में संपन्न 'वाचन प्रेरणा दिन' समारोह का लगभग 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लिखिए।

(वृत्तांत में स्थान, समय, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

(2) विज्ञापन लेखन:

[5]

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

वसुंधरा, नर्सरी, सातारा

विशेषताएँ

संपर्क-पत्ता

(3) कहानी लेखन: [5]

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए:

भिखारी - भीख माँगना ___ एक व्यक्ति का रोज देखना _____ फूलों का गुच्छा देना _____ भिखारी का फूल बेचना _____ मंदिर के सामने दुकान खोलना।

(इ) निबंध लेखन: [7]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

1. मैं सड़क बोल रही हूँ
2. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

M.S.B Board

कक्षा : 10

हिंदी - 2019

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 100

निर्देश

1. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य :

24 अंक

प्रश्न 1.

अ निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

दूसरे दिन रहमान सवेरे आठ-नौ बजे के करीब लक्ष्मी को इलाके से बाहर जहाँ नाला बहता है, जहाँ झाड़-झंखाड़ और कहीं दूब के कारण जमीन हरी नजर आती है, छोड़ आया ताकि वह घास इत्यादि खाकर अपना कुछ पेट भर ले। लेकिन माँ-बेटे को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि लक्ष्मी एक-डेढ़ घंटे बाद ही घर के सामने खड़ी थी। उसके गले में रस्सी थी। एक व्यक्ति उसी रस्सी को हाथ में थामे कह रहा था- "यह गाय क्या आप लोगों की है?"

रमजानी ने कहा, "हाँ।"

"यह हमारी गाय का सब चारा खा गई है। इसे आप लोग बाँधकर रखें नहीं तो काँजी हाउस में पहुँचा देंगे।"

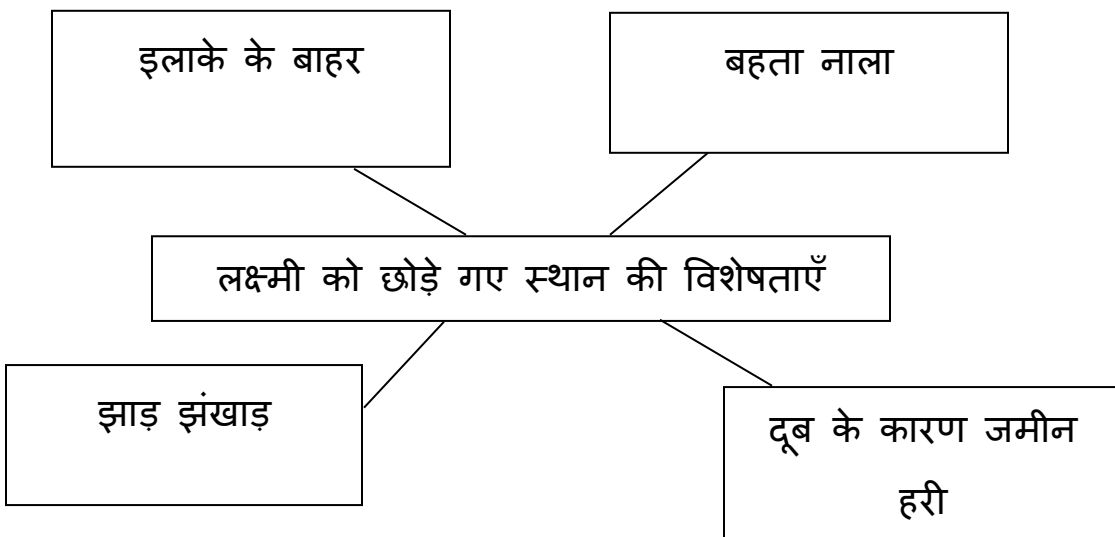
रमजानी चुप खड़ी आगंतुक की बातें सुनती रही।

दोपहर बाद जब करामत अली झ्यूटी से लौटा और नहा-धोकर कुछ नाश्ते के लिए बैठा तो रमजानी उससे बोली - "मेरी मानो तो इसे बेच दो।"

"फिर बेचने की बात करती हो.....? कौन खरीदेगा इस बुढ़िया को।"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए:

[2]



(2) केवल एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए:

[2]

- (i) करामत अली इस समय झ्यूटी से लौटा - दोपहर बाद
- (ii) दूसरों की गाय का चारा खानेवाली - लक्ष्मी
- (iii) रमजानी इसकी बातें सुनती रही - आगंतुक
- (iv) लक्ष्मी को देखकर आश्चर्यचकित होनेवाले - माँ-बेटे

(3) (क) वचन परिवर्तन कीजिए: [1]

1. इलाके - इलाका
2. रस्सी - रस्सियाँ

(ख) लिंग परिवर्तन कीजिए: [1]

1. बेटा - बेटी
2. गाय - बैल

(4) 'जानवरों के प्रति हमदर्दी' विषय पर अपने विचार लिखिए। [2]

उत्तर : मानवों की तरह ही जानवर भी ईश्वर द्वारा बनाई हुई कृति ही है। वे भी इस धरती का एक अहम् हिस्सा हैं। मानवों का यह कर्तव्य बनता है कि इन मूक जानवरों के प्रति प्यार, अपनापन और सहानुभूति रखें क्योंकि ये जानवर अपने दर्द को बोलकर व्यक्त नहीं कर सकते उनकी दुःख तकलीफ को हमें ही समझना होगा।

जानवर भले अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त न कर पाते हो परंतु अपनी आँखें और हाव-भाव द्वारा सब-कुछ दर्शा देते हैं। दो वक्त की रोटी और कुछ पल के प्यार व सहानुभूति के बदले यह अपना पूरा जीवन इंसानों की वफादारी करने में बिता देते हैं। इसलिए हमारा भी यह फ़र्ज बनता है कि हम उनके प्रति संवेदनशील रहें।

आ निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

गाड़ी ले हम चल पड़े। क्या शान की सवारी थी। याद कर बदन में झुरझुरी आने लगी है। जिसके यहाँ खाना था, वहाँ पहुँचा। बातचीत में समय का ध्यान नहीं रहा। देर हो गई।

याद आया बाबू जी आ गए होंगे।

वापस घर आ फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी। उतरकर गेट तक आया।

संतरी को हिदायत दी। यह सैलूट-वैलूट नहीं, बस धीरे से गेट खोल दो। वह आवाज करे तो उसे बंद मत करो, खुला छोड़ दो।

बाबू जी का डर। वह खट-पट सैलूट मारेगा तो आवाज होगी और फिर गेट की आवाज से बाबू जी को हम लोगों के लौटने का अंदाज हो जाएगा। वे बेकार में पूछताछ करेंगे। अभी बात ताजा है। सुबह तक बात में पानी पड़ चुका होगा। संतरी से जैसा कहा गया, उसने किया। दबे पैर पीछे किचन के दरवाजे के अंदर घुसा। जाते ही अम्मा मिलीं।

पूछा - "बाबू जी आ गए? कुछ पूछा तो नहीं?"

बोली - "हाँ, आ गए। पूछा था। मैंने बता दिया।"

(1) उत्तर लिखिए: [2]

लेखक द्वारा संतरी को दी गई दो सूचनाएँ:

- (i) सैलूट नहीं मारना
- (ii) धीरे से गेट खोलना

(2) लिखिए : [2]

- (i) शान की सवारी याद आने का परिणाम - बदन में झुरझुरी आना
- (ii) बातचीत में समय बिताने का परिणाम - देर हो जाना

(3)(क) गद्यांश से ऐसे दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन रूप नहीं बदलता: [1]

- (i) बदन
- (ii) पानी

(ख) गद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए:

[1]

(i) सैलूट-वैलूट

(ii) खट-पट

(4) 'दादा-दादी के प्रति मेरा कर्तव्य' विषय पर अपने विचार लिखिए:

[2]

उत्तर : परिवार के छोटे सदस्यों के लिए दादा-दादी का रिश्ता कुछ खास होता है। बच्चों का अधिकतर समय उनके आस-पास ही व्यतीत होता है। कहानी, लोरी, ज्ञानवर्धक बातें आदि के अलावा बड़ों की डाँट से बचने के लिए और अपनी बातें बड़ों से मनवाने के लिए भी बच्चे उनका ही सहारा लेते हैं।

बच्चे दादी-दादा के आश्रय में सभी चिंताओं से मुक्त रहते हैं। मेरा और मेरे दादा-दादी का संबंध भी कुछ ऐसा ही है। लेकिन समय के साथ अब मेरे दादा-दादी की इन्द्रियाँ शिथिल हो गई हैं, हाथ काँपने लगे हैं, बातों को भूल जाते हैं। ऐसे में मैं अपने दादा-दादी का पूरा ख्याल रखता हूँ। पढ़ाई में कितनी भी व्यस्तता हो मैं दिनभर का कुछ समय उन्हें अवश्य देता हूँ। उनके सारे छोटे बड़े कामों को पूरी लगन से करता हूँ। इस तरह से छोटी-छोटी खुशियाँ देकर मैं अपना दादी-दादा के प्रति अपने फ़र्ज का पालन करने की कोशिश करता हूँ।

इ निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

संस्कृति ऐसी चीज नहीं कि जिसकी रचना दस-बीस या सौ-पचास वर्षों में की जा सकती हो। अनेक शताब्दियों तक एक समाज के लोग जिस तरह खाते-पीते, रहते-सहते, पढ़ते-लिखते, सोचते-समझते और राज-काज चलाते अथवा धर्म-कर्म करते हैं उन सभी कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है। हम जो कुछ भी

करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है। यहाँ तक कि हमारे उठने-बैठने, पहनने-ओढ़ने, घूमने-फिरते और रोने-हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है। हमारा कोई भी काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता। असल में संस्कृति जिंदगी का एक तरीका है और यह तरीका सदियों से जमा होकर उस समाज में छाया रहता है, जिसमें हम जन्म लेते हैं। इसलिए जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है।

(1) घटक लिखिए [2]

संस्कृति की पहचान करानेवाले घटक

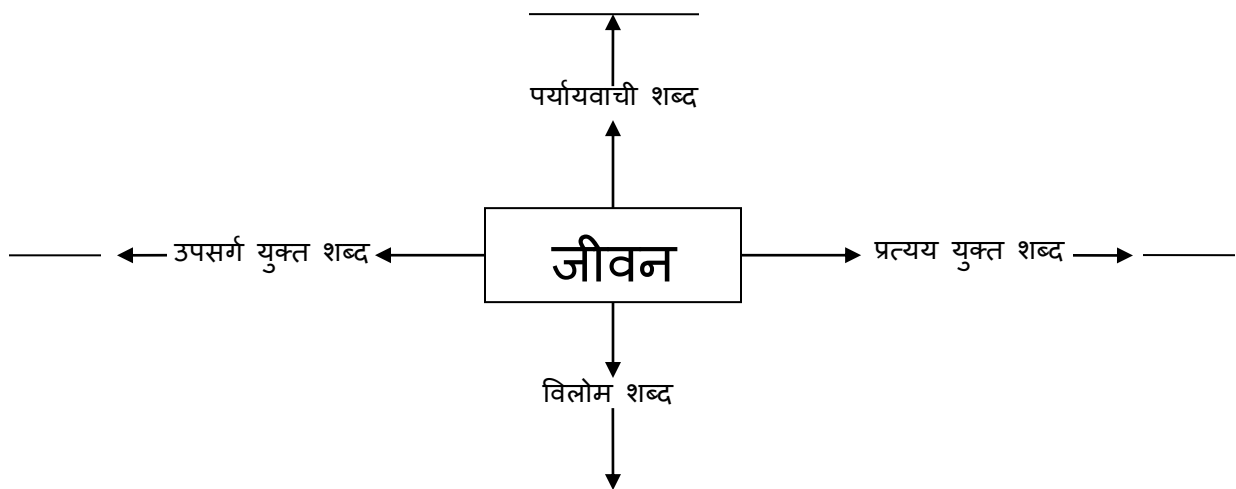
1. उठने-बैठने
2. पहनने-ओढ़ने
3. घूमने-फिरने
4. रोने-हँसने

(2) विधानों को पढ़कर केवल सही अथवा गलत लिखिए: [2]

- (i) समाज के लोगों के कार्यों से उनकी संस्कृति उत्पन्न होती है - सही
- (ii) हम जो कुछ भी करते हैं, उसमें हमारी संस्कृति की झलक नहीं होती - गलत
- (iii) जिस संस्कृति में हम पैदा हुए हैं उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है - सही
- (iv) संस्कृति जिंदगी का तरीका नहीं है - गलत

(3) दी गई सूचना के अनुसार लिखिए:

[2]



शब्द	पर्यायवाची	विलोम	उपसर्ग	प्रत्यय
जीवन	जिंदगी	मरण	आजीवन	जीवनभर

(4) 'पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव' अपने विचार लिखिए।

[2]

उत्तर : देश को शरीर माने तो संस्कृति उसकी आत्मा है। भारतीय संस्कृति में चार मूल्य प्रमुख हैं - धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह बात अलग है कि पाश्चात्य संस्कृति में अर्थ और काम की प्रमुखता है। सादा जीवन उच्च विचार हमारी संस्कृति की परम्परा समझी जाती थी परन्तु आधुनिकता की अंधी दौड़ एवं पाश्चात्य संस्कृति का जीवन में प्रवेश होने से वह परिभाषा कहाँ चली गई पता ही नहीं। पाश्चात्य संस्कृति व्यक्तिवादी है, जबकि भारतीय संस्कृति विश्व के साथ व्यक्ति के संबंधों को महत्त्व देती है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से हम दिखावे की जिंदगी जीने लगे हैं। लोगों से मिलकर रहने की जगह अकेले और तनावग्रस्त रहने लगे हैं। भौतिक सुख के पीछे प्यार से वंचित हो रहे हैं।

प्रश्न 2.

(अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो।
चल पड़ी तो गर्द बनकर आसमानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।
सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।
जिंदगी की शकल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :

[2]

अ	उत्तर	आ
(i) शिखर		गर्द
(ii) आसमान		जिंदगी
(iii) पत्थर		स्वर्णिम
(iv) शकल		मील
		नींव

अ	उत्तर
शिखर	स्वर्णिम
आसमान	गर्द
पत्थर	मील
शकल	जिंदगी

(2) उत्तर लिखिए :

[2]

- (क) मनुष्य को ये बनकर दिखाना है - 1. नींव का पत्थर
2. मील का पत्थर

- (ख) कवि दिखने के लिए कहते हैं - 1. आदमी
2. आईना

(3) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

[2]

उत्तर : किसी भी गगनचुंबी अट्टालिका के स्वर्णिम शिखरों को देखकर सब उसकी प्रशंसा करते हैं परंतु वास्तव में देखा जाय तो इन शिखरों की अपेक्षा उन ईंटों और पत्थरों का महत्त्व है जो नींव में दबकर इन शिखरों का निर्माण करते हैं। उसी प्रकार कवि कहते हैं कि यदि हमें मंजिल पानी है तो अपने अच्छे कर्मों से आसमानों तक छा जाओ अर्थात् आपके किए गए कामों की चर्चा सब ओर हो। और यदि थककर बैठो भी तो मील के पत्थर की तरह बैठो जो अपनी मंजिल की तरफ अग्रसर होते हुए पथिक की आगे बढ़ने में सहायता करता है।

(आ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :

भारत महिमा अथवा समता की ओर

मुद्दे :

- | | |
|--------------------------------|-----|
| 1. रचनाकार का नाम | [1] |
| 2. रचना की विधा | [1] |
| 3. पसंद की पंक्तियाँ | [1] |
| 4. पंक्तियाँ पसंद होने का कारण | [1] |

भारत महिमा

1. रचनाकार का नाम - जयशंकर प्रसाद
2. रचना की विधा - कविता
3. पसंद की पंक्तियाँ - हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव।
4. पसंदीदा होने का कारण - हमने कभी भी धन का संचय नहीं किया यदि किया भी तो वह दान के लिए किया और सदा ही हमने अतिथियों को देवता का दर्जा दिया।
5. रचना से प्राप्त संदेश - हमें सदैव अपने देश पर अभिमान करना चाहिए और मौका मिलने पर देश के लिए अपना सर्वस्व लुटा देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

समता की ओर

1. रचनाकार का नाम - मुकुटधर पांडेय
2. रचना की विधा - नई कविता
3. पसंद की पंक्तियाँ - पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती
4. पसंदीदा होने का कारण - पहले सभी प्रकृति पर निर्भर थे प्रकृति से ही सारी आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाया करती थी।
5. रचना से प्राप्त संदेश - प्रस्तुत रचना से कवि ने भाईचारे का संदेश दिया है। धनवान और निर्धन दोनों भाई-भाई हैं। इसलिए धनी लोगों को दीन-दरिद्र भाइयों की भलाई के लिए प्रयास करना चाहिए।

(इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

नदी निकलती है पर्वत से, मैदानों में बहती है।
और अंत में मिल सागर से, एक कहानी कहती है।
बचपन में छोटी थी पर मैं, बड़े वेग से बहती है।
आँधी-तूफ़ाँ, बाढ़-बवंडर, सब कुछ हँसकर सहती थी।
मैदानों में आकर मैंने, सेवा का संकल्प लिया।
और बना जैसे भी मुझसे, मानव का उपकार किया।
अंत समय में बचा शेष जो, सागर को उपहार दिया
सब कुछ अर्पित करके अपने, जीवन को साकार किया।

1. कृति पूर्ण कीजिए : [2]

पद्यांश में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक
उत्तर : नदी, पर्वत, मैदान, सागर

2. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों : [2]

1. सागर - नदी ने अंत समय में किसको उपहार दिया?
2. छोटी - बचपन में नदी कैसी थी?

3. प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। [2]

उत्तर : नदी ने अपने जीवन काल से अपने अंतिम समय तक सभी की सेवा ही की है। अंत समय में भी नदी के पास जो उच्च शेष बचा था वह भी उसने उपहारस्वरूप सागर को प्रदान कर दिया। इस तरह सब-कुछ अर्पित कर नदी ने अपने जीवन को सार्थक बनाया।

प्रश्न 3.

(अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था।

चारपाइयों पर मेहमान विश्राम कर रहे थे। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

आज बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम का तिलक आया था। वह उसी का उत्सव था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रहीं थी और रूपा मेहमानों के लिए भोजन कर प्रबंध में व्यस्त थी। भट्टियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पुड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

1. उत्तर लिखिए :

[2]

मुखराम के तिलक उत्सव की तैयारियाँ :

उत्तर : बुद्धिराम के बड़े लड़के मुखराम के तिलक में घर में उत्सव का माहौल था। घर के भीतर स्त्रियाँ गा रहीं थी और रूपा मेहमानों के लिए भोजन कर प्रबंध में व्यस्त थी। भट्टियों पर कड़ाह चढ़ रहे थे। एक में पुड़ियाँ-कचौड़ियाँ निकल रही थीं, दूसरे में अन्य पकवान बन रहे थे। एक बड़े हंडे में मसालेदार तरकारी पक रही थी। घी और मसाले की क्षुधावर्धक सुगंध चारों ओर फैली हुई थी।

2. 'उत्सवों का बदलता स्वरूप' अपने विचार लिखिए।

[2]

उत्तर : भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान हैं। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के प्रतीक हैं जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रूप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखंडता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं। भारत संस्कृति में त्योहारों एवं उत्सवों का आदिकाल से ही काफी महत्त्व रहा है। परंतु आज यह देखकर दुख होता है कि लोग त्योहार के प्रति नीरसता दिखाने लगे हैं। इसके कई कारण हैं - आज की जीवनशैली, बढ़ता काम का तनाव, महँगाई आदि। आज के युग में मनुष्य बहुत अधिक व्यस्त रहता है। उसे समय ही नहीं कि त्योहार के लिए तैयारी करे। इसके अलावा आज महँगाई इतनी बढ़ गई है कि दो वक्त का खाना भी कई लोग मुश्किल से पाते हैं उसमें त्योहार का खर्च कहाँ करेंगे। आज के युग में मनुष्य संयुक्त परिवार में नहीं रहता जिससे भी त्योहार मनाने का उत्साह फीका पड़ जाता है।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर।
सागर में भी
रहकर मछली
प्यासी ही रही।

(1) तालिका पूर्ण कीजिए : [2]

	स्थिति	निवास स्थान
मछली	प्यासी	सागर
सितारे	बादलों की ओट में छिपे हुए	आकाश

(2) 'रात में सितारे आकाश की शोभा बढ़ाते हैं' अपने विचार लिखिए। [2]

उत्तर : आकाश भी हमारी प्रकृति का अंग है। यदि आप आकाश की ओर निहारें तो उसमें बनने वाले रंग-बिरंगे चित्रों को देखकर सब कुछ भूल जाएँ। पृथ्वी की तरह आकाश का भी अपना परिवार है। सूर्य है चमकता-दमकता, तो शांत है चंद्रमा। ग्रह हैं, नक्षत्र हैं, आकाश गंगा है, दिशाएँ हैं। इन सबके बावजूद रात में यदि आकाश की शोभा कोई बढ़ाता है तो वे हैं इसमें टिमटिमाने वाले तारे। रात में आकाश में टिमटिमाने वाले तारे न केवल उसकी शोभा बढ़ाते हैं बल्कि आकाश का सूनापन भी भर देते हैं। रात के अँधेरे में झिलमिलाते तारों को देखने का अलग ही सुख है ये तारे अँधेरे से लड़ते हुए अपनी रोशनी बिखेरते हैं अपना अस्तित्व बनाते हैं साथ ही कितने राहगीरों को राह दिखाते हैं और रात में आसमान की शोभा बढ़ाते हैं।

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण)

18 अंक

प्रश्न 4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1)(क) अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानकर लिखिए: [1]

उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए।

उत्तर : आश्रम - जातिवाचक संज्ञा

(ग) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग आपने वाक्य में कीजिए: [1]

‘आलिशान’ - मुंबई में कई आलिशान इमारतें हैं।

(2)(ग) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए: [1]

रतन, धीरे-धीरे चल।

उत्तर : धीरे-धीरे - क्रिया-विशेषण अव्यय

(घ) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

की ओर - माताजी बाजार की ओर गई हैं।

(3) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: [2]

(i) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल गया था। (सामान्य वर्तमानकाल)

उत्तर : शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिलता है।

(ii) वह मुझे बहुत प्रभावित कर रहा है। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर : वह मुझे बहुत प्रभावित कर चुका था।

(4) तालिका पूर्ण कीजिए:

[2]

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
निष्कपट	निष् + कपट	विसर्ग संधि
सद्भावना	सत् + भावना	व्यंजन संधि

(5) (च) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद लिखिए: [1]

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहते।

उत्तर : मिश्र वाक्य

(छ) सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: [1]

क्या! उस गली में पेड़ भी हैं। (निषेधार्थक वाक्य)

उत्तर : क्या! उस गली में पेड़ भी नहीं है।

(6) (ज) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

शेखी बघारना

उत्तर : शेखी बघारना - बढ़-चढ़कर बातें करना

वाक्य : नेता छोटे से समाज सेवा के कार्य की भी शेखी बखारते रहते हैं।

(झ) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके

वाक्य फिर से लिखिए: [1]

(मुँह लटकाना, मुँह लगना)

खेल में चयन न होने के कारण अमर निराश होकर बैठ गया।

उत्तर : खेल में चयन न होने के कारण अमर मुँह लटकाकर
बैठ गया।

(7) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए: [2]

(i) उन्नोंने पुस्तक लौटा दिया।

उन्होंने पुस्तक लौटा दी।

(ii) हमारी सामाजिक विचारधारा से बड़ी भारी दोष है।

उत्तर : हमारी सामाजिक विचारधारा में बड़ा दोष है।

(8) निम्नलिखित वाक्य से सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए: [1]

(i) एक टैक्सी कमरे के सामने आकर रुकी।

उत्तर : रुकी - रुकना

(ii) मैं आपके बारे में ही सोचता रहा।

उत्तर : रहा - रहना

(9) प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए: [1]

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
सूखना	सुखाना	सुखवाना

(10) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए: [1]

चाची अपने कमरे से निकल रही थी।

कारक चिह्न - से

भेद - अपादान कारक

(11) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए: [1]

घूम फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे

उत्तर : घूम-फिरकर शाम को हम कलिंगवुड बीच पर पहुँचे।

विभाग 5 - रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

32

सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 5. (अ) (1) पत्रलेखन: [5]

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

अनय/अनया पाटील, 'गीतांजली', गुलमोहर रोड, अहमदनगर से अपनी

छोटी बहन अमिता पाटील, 3, 'श्रीकृपा', शिवाजी रोड, नेवासा को

राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में चयन होने के उपलब्ध में अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखता है/लिखती है।

दिनांक - 2 अगस्त 2019

प्रिय अमिता

मधुर स्मृति।

अभी-अभी तुम्हारा पत्र मिला। यह पढ़कर मन खुशी से झूम उठा कि राज्यस्तरीय कबड्डी संघ में तुम्हारा चयन हो गया। इस अवसर पर मेरी ओर हार्दिक अभिनंदन स्वीकार करो। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम भविष्य में ऐसी ही सफलताएँ प्राप्त करती रहो और हम तुम्हारी उपलब्धियों पर गर्वित होते रहे। घर के अन्य सदस्य भी तुम्हारी इस उपलब्धता पर गर्वित महसूस कर रहे हैं। सभी ने तुम्हें शुभकामनाएँ भेजी हैं।

तुम्हारी बहन

अनया पाटील

'गीतांजली',

गुलमोहर रोड,

अहमदनगर

ई-मेल- आईडी - bmg@xyz.com

टिकट

प्रति,
अमिता पाटील
3, 'श्रीकृपा'
शिवाजी रोड
नेवासा

प्रेषक,

अनया पाटील

'गीतांजली'

गुलमोहर रोड

अहमदनगर

ई-मेल- आईडी - bmg@xyz.com

दिनांक - 2 अगस्त 2019

अथवा

अर्चित/अर्चिता भोसले, 54, शांतिनगर, नाशिक से अपने परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, आयुक्त, महानगर परिषद, नाशिक को पत्र लिखता है/लिखती है।

दिनांक - 25 मार्च 2019

सेवा में,

आयुक्त महोदय,

महानगर परिषद,

नाशिक।

विषय : उद्यान की दुर्दशा की ओर ध्यान दिलाने हेतु पत्र।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान हमारे परिसर के उद्यान की दुर्दशा की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

हमारे परिसर का एकलौता उद्यान होने के कारण इसका उपयोग सभी करते हैं, परंतु पिछले कुछ दिनों से इस उद्यान की दशा बिगड़ती जा रही है। पहले उद्यान में जो माली था वह उद्यान की देखभाल बड़े ही अच्छे ढंग से करता था। समय पर पौधों को खाद और पानी देता था जिसके फलस्वरूप उद्यान हरा-भरा रहता था। कुछ दिनों से माली के अभाव के कारण पेड़-पौधे सभी मुरझा गए हैं।

अतः आप से अनुरोध है कि परिसर का एकमात्र उद्यान होने के कारण आप त्वरित इस पर ध्यान दें।

भवदीय

अर्चित भोसले

54, शांतिनगर,

नाशिक

ई-मेल- आईडी - bmg@xyz.com

टिकट

सेवा में,
आयुक्त महोदय
महानगर परिषद
नाशिक

प्रेषक,
अर्चित भोसले
54, शांतिनगर
नाशिक
ई-मेल- आईडी - bmg@xyz.com
दिनांक - 25 मार्च 2019

2. गद्य आकलन - प्रश्न निर्मिति:

[5]

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाज सेवा की एक पुरानी परंपरा है। सादा जीवन, उच्च विचार और कठिन परिश्रम। इस परंपरा में अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ विकसित हुई हैं। उनमें से कुछ संस्थाएँ पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को काफी पढ़े-लिखे लोगों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों का सामयिक सहयोग मिलता रहता है। अभाग्यवश अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ दलगत राजनीति में अधिक विश्वास करती हैं और उनके आधार पर सरकारी सहायता लेने का प्रयास करती हैं। पर्वतीय क्षेत्र में सादगी की अभी यही व्यवस्था चलती है और इसलिए 'चिपको' आंदोलन बहुत हद तक सफल हुआ है। 'गाँधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। सरला बहन ने अल्मोड़ा में इस काम की शुरुआत तब की थी जब पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता नहीं थी। श्री

प्रेमभाई और डॉ. रागिनी प्रेम ने मिर्जापुर में पर्यावरण पर प्रशंसनीय काम किया है।

1. समाज सेवा की पुरानी परंपरा किसकी रही है?
2. अनेक स्वैच्छिक संस्थाओं का विकास कैसे हुआ है?
3. स्वैच्छिक संस्थाओं को किनका सहयोग मिलता रहता है?
4. कौन-सा आंदोलन सफल हुआ है?
5. उन लोगों के नाम बताइए जिन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य किया है?

(आ) (1) वृत्तांत लेखन:

[5]

आदर्श प्रशाला, अमरावती में संपन्न 'वाचन प्रेरणा दिन' समारोह का लगभग 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लिखिए।

(वृत्तांत में स्थान, समय, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

वाचन प्रेरणा दिवस समारोह

अमरावती के आदर्श प्रशाला विद्यालय में 15 अक्टूबर 2018 को डॉक्टर ए.पी.जे अब्दुल कलाम के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में वाचन प्रेरणा दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पूरे विद्यालय को पुस्तकालय की थीम देकर सजाया गया था। मंच पर ए.पी.जे अब्दुल कलाम का एक बड़ा-सा चित्र और उनके द्वारा लिखी कई कुछ किताबों को रखा गया था। समारोह की अध्यक्षता शहर के प्रमुख लेखक रामविलास शर्मा द्वारा की गई। समारोह की शुरुवात सरस्वती वंदना से की गई। अध्यक्ष का परिचय स्वयं विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय द्वारा दिया गया। अध्यक्ष महोदय ने बच्चों को जीवन में वाचन के महत्त्व को बहुत ही सुंदर ढंग से दर्शाया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी एक बाल कहानी 'चंदामामा' का वाचन भी किया। इस अवसर पर कुछ बच्चों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ भी किया।

विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रामकुमार दास ने अध्यक्ष महोदय का के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

(2) विज्ञापन लेखन:

[5]

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

वसुंधरा, नर्सरी, सातारा

विशेषताएँ

संपर्क-पत्ता

है प्रकृति आपका पहला प्यार
पर्यावरण सुरक्षा भी है आपका खयाल
तो वसुंधरा नर्सरी है आपके साथ

आपने सपने को पूरा करें उसे वसुंधरा नर्सरी के साथ

हमारी विशेषताएँ

- पौधों की कई नई किस्में
- विभिन्न प्रकार के फूलों और फलों के बीज
- किफायती दाम
- मुफ्त जानकारी
- नर्सरी से जुड़ी सभी साधन और सामग्री

संपर्क करें

वसुंधरा नर्सरी

बाजार पेठ

सातारा

मोबाइल नंबर - 93 88 88 88 88

(3) कहानी लेखन:

[5]

निम्नलिखित शब्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए तथा उचित शीर्षक दीजिए:

भिखारी - भीख माँगना ___ एक व्यक्ति का रोज देखना ____ फूलों का गुच्छा देना ____ भिखारी का फूल बेचना _____ मंदिर के सामने दुकान खोलना।

खोया हुआ आत्मसम्मान

विठ्ठल मंदिर में रमेश का रोज का आना-जाना था। रमेश के दफ्तर के रास्ते में ही विठ्ठल मंदिर पड़ता था। रमेश रोज इस मंदिर में जाया करता था। रमेश जब उस मंदिर में जाता तो उसकी नजर वहाँ बैठे भिखारी पर पड़ती थी। वह कभी किसी से कुछ माँगता नहीं था। हमेशा अपना सिर झुकाए रहता था। ऐसे लगता था मानो वह अपनी इस स्थिति से बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं है। रमेश रोज कुछ-न कुछ उस भिखारी को दे देता था परंतु मन-ही-मन उस भिखारी की अवस्था से बड़ा परेशान रहता था। उसे एक प्रकार से उस भिखारी से सहानुभूति-सी हो गई थी। रमेश को एक दिन न जाने क्या सूझा उसने उसे पैसे देने के बजाय पास की फूलों की दुकान से एक फूलों का गुच्छा लाकर दे दिया। भिखारी उस फूलों के गुच्छे को देखकर पहले तो आश्चर्यचकित हो गया परंतु उसने चुपचाप उस गुच्छे को अपने पास रख दिया। उस दिन भिखारी ने भीख माँगने की बजाय उस गुच्छे को बेचने की कोशिश की। भाग्यवश भिखारी को उस फूल के गुच्छे के अच्छे दाम मिले। उस दिन से भिखारी ने भीख न माँगने का प्रण किया और उन पैसों से दूसरे दिन भी फूलों के कुछ पुष्प-गुच्छ

खरीदे। इस तरह से भिखारी रोज फूलों को बेचने लगा और थोड़े ही समय में उसने इतने पैसे जमा कर लिए कि मंदिर के सामने ही अपनी फूलों की दुकान खोल ली। इस तरह से रमेश ने उस भिखारी का खोया हुआ आत्मसम्मान लौटा दिया।

सीख : किसी का खोया हुआ आत्मसम्मान लौटना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

(इ) निबंध लेखन:

[7]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए:

1. मैं सड़क बोल रही हूँ

मैं सड़क बोल रही हूँ। मैं पगडंडी, कच्ची सड़क, छोटी सड़क, बड़ी सड़क, राजमार्ग आदि कई रूपों में पाई जाती हूँ। मेरा रूप चाहे जो भी हो परंतु कार्य तो लोगों को उनके गंतव्य तक पहुँचाने का ही है। किसी को अस्पताल पहुँचाना है, तो किसी को विद्यालय और दफ्तर। मैं अमीर-गरीब, छूत-अछूत, बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरुष किसी में कोई भेदभाव नहीं करती। मेरा प्रयोग मानव ही नहीं पशु-पक्षी, छोटे कीट आदि सभी करते हैं। मेरे ऊपर भारी से भारी वाहन चौबीसों घंटे आते-जाते रहते हैं। मुझे एक पल दम मारने की फुरसत भी नहीं मिलती। वर्षा, सरदी, गर्मी सभी को सहन कर बिना किसी शिकायत के मैं अपना कार्य करती रहती हूँ पर इस पर भी मनुष्य मुझे ही कोसता रहता है। गड्ढों का निर्माण आप मनुष्यों के भारी वाहनों से होता है और कोसते आप मुझे हो सड़क का रख-रखाव करते नहीं, पेड़-पौधे मेरे किनारे लगाते नहीं और फिर गर्मी की शिकायत भी मुझ पर खड़े रहकर ही करते हो।

मैं सभी का निस्वार्थ भाव से साथ देती हूँ बदले में मैं केवल यही चाहती हूँ कि आप लोग भी केवल मेरा रख रखाव ठीक तरीके से करते रहे जिससे मैं आपको आपके गंतव्य तक-जल्द-से-जल्द पहुँचा सकूँ।

2. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अर्थ की यदि हम बात करें तो अर्थ कुछ इस प्रकार निकलता है - बेटियों को बचाना और उन्हें शिक्षित करना। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत प्रधान मंत्री ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत, हरियाणा में की थी। यह योजना तीन मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित की जा रही है अर्थात् महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन मंत्रालय। इस योजना के द्वारा कन्या भ्रूण हत्या में कमी लाना और महिलाओं के सशक्तिकरण जुड़े मुद्दों का समाधान करना शामिल है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि बेटियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और इसी बात का प्रचार-प्रसार गाँव-गाँव में हो। हमारा देश पुरुष प्रधान देश होने के कारण लड़कियों के साथ हर बात में भेदभाव किया जाता रहा है। जन्म, शिक्षा, व्यवसाय, नौकरी आदि सभी मामलों में उनके साथ भेदभाव होता रहता है। अतः इस योजना के अनुसार बेटियों की शिक्षा के लिए उचित व्यवस्था की गई है और लोगों की सोच को बदलने के लिए जगह-जगह इसका प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिससे लोग बेटी और बेटियों में किसी भी प्रकार का भेदभाव न करें।